

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

OMR Sheet No. : .....  
(To be filled by the Candidate)Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)**D 4 3 1 5****PAPER - II**  
**RAJASTHANI****[Maximum Marks : 100]****Time : 1¼ hours]**

Number of Pages in this Booklet : 8

Number of Questions in this Booklet : 50

**Instructions for the Candidates**

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
  - (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.  
**Example :** ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only**. If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. Use only Blue/Black Ball point pen.
11. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
12. There are no negative marks for incorrect answers.

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
  - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
  - (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।  
**उदाहरण :** ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
11. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
12. गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।



RAJASTHANI

राजस्थानी

PAPER - II

प्रश्नपत्र - II

**Note :** This paper contains **fifty (50)** multiple - choice questions each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** of them.

**नोट :** इण प्रश्नपत्र में **पचास (50)** घण विकल्पी सवाल है। हरेक सवाल सारूं **दो (2)** अंक तय है। **सगळं** प्रश्नां रा पडूतर देवणा है।

1. 'देस निकाळौ' सबद मांय समास है :  
(1) अव्ययी भाव समास (2) कर्मधारय समास (3) तत्पुरुष समास (4) द्विगु समास
2. 'वो गटळ गटळ पांणी पीवै'-इण वाक्य मांय 'गटळ-गटळ' सबद मांय क्रिया विसेसण है :  
(1) काळवाची क्रिया विसेसण (2) स्थानवाची क्रिया विसेसण  
(3) परिमाणवाची क्रिया विसेसण (4) रीतिवाची क्रिया विसेसण
3. 'सींगडियाळ' सबद में किसौ प्रत्यय है ?  
(1) ळ (2) आळ (3) याळ (4) इयाळ
4. राजस्थानी 'किरीयाबर' सबद रौ अरथ है :  
(1) उपकार (2) ओळूं (3) रजामंदी (4) पराजय
5. 'आखड़ी' रौ मतळब है :  
(1) नीं करण रौ संकळ्प (2) खराब आदत  
(3) मारग सूं टळणौ (4) धरम-करम करणौ
6. 'राम खोदावै रामसर, लिछमण बांधै पाळ।  
सिर सोनै रौ बेहूडौ, सीतळदे पणिहार।'  
औ दूहौ किण काव्य-कृति सूं लियोडौ है ?  
(1) राम रंजाट (2) मेहोजी कृत रामायण (3) राम रासौ (4) दशरथ रावउत
7. 'हेम की कूपळी मइण की मूंद।  
सा धण उभी रे मत गइंद।।' -औ रूप-वरणाव किण नायिका रौ है ?  
(1) संयोगिता (2) मरवण (3) मालवणी (4) राजमती



8. 'झुंपड़िया रहसी जितै, इण धरती पर अेक।  
मिनखपणौ रहसी मतै, छळी कपटियां छेक।।' -  
-औ दूहौ किण कवि रौ है ?  
(1) सूर्यमल्ल मीसण (2) शक्तिदान कविया (3) शंकरदान सामौर (4) नारायणसिंह भाटी
9. 'हुकमीचंद तणा कहिया थका,  
फेरवां गीत ----- फेंके।' - इण खाली जगा मांय नाम आवै -  
(1) कानदान (2) साईदान (3) देवीदान (4) महादान
10. 'सूरज प्रकास' ग्रन्थ रौ सम्बन्ध है :  
(1) धरमत री लड़ाई सूँ (2) गिरि-सुमेल री लड़ाई सूँ  
(3) अहमदाबाद री लड़ाई सूँ (4) हळदीघाटी री लड़ाई सूँ
11. 'संगि सखी सीळि कुळि वैसि समाणी'-इण ओळी मांय सबद 'वैसि' रौ मतळब है :  
(1) वस्तर (2) पोसाक (3) आयु (4) भांति
12. पुराणी राजस्थानी अर राजस्थानी गद्य री सबसूँ पैली लिखियोड़ी रचना रौ नाम है :  
(1) आराधना (2) अतिचार (3) बालशिक्षा (4) नवकार व्याख्यान
13. 'रमेवा सबै साथ सूँ हेक रागै,  
कहै कीजियै कान्ह भीर, विभागै।'  
- अै ओळियां किण कृति सूँ लियोड़ी है ?  
(1) हालां झालां रा कुंडळिया (2) नागदमण  
(3) रामरंजाट (4) दूहा ढोला-मारू
14. तरूणप्रभ सूरि री लिखियोड़ी राजस्थानी गद्य रचना किसी है ?  
(1) तत्वविचार प्रकरण (2) धनपाल कथा  
(3) पृथ्वीचंद वाग्विलास (4) षड़वश्यक बालावबोध
15. 'रघुवरजस प्रकास री ख्याति रौ कारण है :  
(1) व्याकरण (2) हरजस (3) छंद (4) रस
16. 'जिण जिण भांत लेणांयत दीठां देणायत घटे, तिम  
तिणि भांति राति दीठां दिन, दिन-दिन घटण  
लाग्यो।' - औ गद्यांश किण व्रात सूँ लियोड़ै है ?  
(1) राजान राउत रौ व्रात वणाव (2) रामदास वैरावत री आखड़ी री बात  
(3) गांगेय नींबावत रै दोपारै री व्रात (4) अळसी कैल्हण री व्रात



17. 'वेलि क्रिसन रूकमणी' ग्रंथ री कथा रौ आधार ग्रन्थ है :
- (1) गरूड़ पुराण (2) रामायण (3) कठोपनिषद् (4) भागवत पुराण
18. 'मारवाड़ रै उमरावां री वारता' मांय किण राजा नै राजगादी सूं हटाय नै दूजै नै राजगादी दिरावण री विगतवार जाणकारी है ?
- (1) जैसलमेर रा रावळ घड़सी री (2) जोधपुर रा राजा रामसिंह री  
(3) बीकानेर रा राजा रायसिंह री (4) नागौर रा राजा अमरसिंह री
19. 'जिण दिन औ मन जाणसी, सोनौ धूड़ समान।  
उण दिन सूरज ऊगसी, सोना रौ सुख दान।।'  
- औ दूहौ किण कवि रौ है ?
- (1) चन्द्रसिंह (2) केसरीसिंह बारहठ  
(3) बांकीदास आशिया (4) शंकरदान सामौर
20. 'शरद रित री धवळ चांनणी करि ने हंसणी हंस नू देखै नई छै, ताहरां माहोमांहि बोलि-बोलि न वेरह गमावै छै। इन्द्र अेरावत हेरता फिरै छै, पिण लाभता नई छै। महादेव पिण नंदी धवळ हेरता फिरै छै पिण लाभता नई छै।' - पुराणै राजस्थानी रै इण गद्य में है :
- (1) कुदरत री कोरणी (2) पुराणी यादां  
(3) राजस्थानी संस्कृति चित्रण (4) इतियासू ओळख
21. 'आयौ अवसर आज, प्रजा पख पूरण पाळण।  
आयौ अवसर आज गरब गोरं रौ गाळण।।'  
- औ ओळियां किण 'कवि री है ?
- (1) मनुज देपावत (2) सूर्यमल्ल मीसण (3) जयनारायण व्यास (4) शंकरदान सामौर
22. 'इज्जत में इजाफो' व्यंग्य पोथी रा लेखक है ?
- (1) शंकरसिंह राजपुरोहित (2) बुलाकी शर्मा  
(3) उपेन्द्र अणु (4) बुद्धि प्रकाश पारीक
23. नीचै लिखियोड़ा मांय सूं किसौ जोड़ौ कहाणी अर कहाणीकार आळौ नीं है ?
- (1) फुरसत - मदनसैनी (2) दलाल - राम स्वरूप किसान  
(3) तोपनामा - चन्द्रप्रकाश देवळ (4) कणेर - अरविंद आशिया
24. 'राणियां तळेटियां ऊतरै, राजा भुगते रेस।' इण ओळी में आयोडै 'रेस' सबद रौ अरथ है :
- (1) पराजय (2) अंजस (3) नुगरापणौ (4) सम्मान
25. 'ओळूं री अखियातां' पोथी है :
- (1) व्यंग्य - विधारी (2) उपन्यास - विधारी (3) कहाणी - विधारी (4) संस्मरण - विधारी



26. 'गोडा टेकणौ' मुहावरै रौ अरथ है :
- (1) वार करणौ (2) हार मानणी (3) मनवार करणी (4) सीख देवणी
27. 'ऊमरदान लाळस' किण चिन्तक सूं प्रभावित हा ?
- (1) रामकृष्ण परमहंस (2) महर्षि अरविंद  
(3) स्वामी दयानंद सरस्वती (4) महात्मा गांधी
28. नीचै लिखियोड़ी मांय सूं किसी पोथी कविता विधारी नीं है ?
- (1) तीखी धार (2) रिंधरोही  
(3) उतर्यौ है आभौ (4) आंख हींयै रा हरियल सपना
29. नीचै लिखिया मांय सूं किसी ओळी में सगळी किताबां कविता विधा री नीं है ?
- (1) राधा, पागी, जुड़ाव (2) जुड़ाव, अंधारपख, राग विजोग  
(3) सांसारौसूत, रिंधरोही, रातकसूंबल (4) उतर्यौ है आभौ, गढ रौ दरवाजौ, खुलती गांठां
30. 'तीडो राव' उपन्यास रै लेखक रौ नाम है :
- (1) रतन जांगिड़ (2) मालचंद तिवाड़ी  
(3) विजयदान देथा (4) अरविंद आसिया
31. 'हूं गोरी किण पीव री' उपन्यास री नायिका रौ नाम है :
- (1) राजकी (2) सूरजड़ी (3) गंगा (4) मूळकी
32. नृसिंह राजपुरोहित रै पैलै कहाणी संग्रै रौ नाम है :
- (1) परभातियौ तारौ (2) अधूरा सुपना  
(3) मरु चाली माळवै (4) रातबासौ
33. 'जूनी गुजराती अर आथूणी राजस्थानी' रौ घण महतारु ग्रन्थ 'कान्हड़दे प्रबन्ध है।' -आ बात किण विचारक री है ?
- (1) एल.पी. तेस्सितोरी (2) सुनीति कुमार चाटुर्ज्या  
(3) गार्दा-द-तासी (4) जूल-ब्लाख
34. 'इम इम करतां जावै ऊमर परमै काल परार क पौर।' - इण ओळियां मांय आयोड़ै 'पौर' सबद रौ अरथ है :
- (1) चालतोड़ौ बरस (2) पांच बरस पैला (3) लारलौ बरस (4) दो बरस
35. 'राजस्थानी लोक-सुंगनां' रै मुजब 'दिन में स्याळ जे बोलै' तौ इण रौ अरथ होवै -
- (1) निस्चै बिरखा मूसळधार पड़ै। (2) निस्चै मिनख अणूता मरै।  
(3) निस्चै भाई सूं भाई भिड़ै। (4) निस्चै काळ हळाहळ पड़ै।



36. कोयलड़ी गीत गाईजे :
- (1) माहेरौ भरीजे जद (2) बेटी नै सीख देवै जद  
(3) पैलौ जापौ होवै जद (4) बीनणी नै सासरै मांय बधावै जद
37. 'घर सांगूणा, पर-घर मालाळा' - इण ओळी में कैयोडै सुगन रौ सम्बन्ध किण जिनावर सूं है ?
- (1) हिरण (2) पाडौ (3) घोडौ (4) गधौ
38. 'साल्हकुमार' नाम किणरौ हौ ?
- (1) नळ रौ (2) जालसी रौ (3) ढोलै रौ (4) राजसी रौ
39. 'साच बोलियां कियां पार पडै' - निबन्ध रा लेखक है :
- (1) गंगाराम पथिक (2) ओंकारश्री  
(3) सुमेरसिंह शेखावत (4) श्रीलाल नथमल जोशी
40. सौभाग्यसिंह शेखावत रौ निबन्ध है :
- (1) आळजंजाळ (2) राखी रौ त्यूंहार  
(3) साहित अर उणरा भेद (4) राजस्थान अर उणरौ जीवण दरसण
41. 'माटी री महक' कहाणी संग्रै रा लेखक है :
- (1) करणीदान बारहठ (2) नृसिंह राजपुरोहित  
(3) रामस्वरूप किसान (4) भूपतिराम साकरिया
42. 'पोह पंचाद सांझ मेवासी,  
तो तूं क्यूं फिरै उदासी।' - औ शुभ सुगन किण पंखेरू रौ है ?
- (1) सुगनचिड़ी (2) मोर (3) तीतर (4) कागलौ
43. नीचै लिखिया गीतां माय सूं किसौ गीत 'जुंझारू-गीत' कहीजे ?
- (1) रतन राणौ (2) रिडमल खाबड़ियौ (3) बाघौ कोटड़ियौ (4) झल्लै आऊवौ
44. किसौ सबदां रौ जोडौ गळत है ?
- (1) बिणजारौ-नागराज शर्मा (2) मरूगंगा - चैनसिंह परिहार  
(3) राजस्थली - श्याम महर्षि (4) कथेसर - राम स्वरूप किसान
45. 'आंवळ - आंवळ' अर 'बांवळ बांवळ' सबदां रौ सम्बन्ध राजस्थान री दो आंचलिकतावां सूं है, उणरौ सही जोडौ है :
- (1) मेवाड़ - मारवाड़ (2) मारवाड़ - मेवात (3) मारवाड़ - ढूंढाड़ (4) मेवात - मेवाड़



46. 'बात भली दिन पाधरा, पैँडे पाकी बोर।

-----, लाडू मारै चोर।।'

-इण ओळियां री खाली जगा री सही ओळी है :

- |                           |                        |
|---------------------------|------------------------|
| (1) सूतोड़ां री पागड़ियां | (2) नदियां बहै उतावळी  |
| (3) घर भींडळ घोड़ा जणै    | (4) जीवै बात रौ कहणवाळ |

47. चित्रकला री 'शैली' री दीठ सूं किसी जगा जगचावी है?

- |              |               |             |              |
|--------------|---------------|-------------|--------------|
| (1) बीकानेरी | (2) जैसाळमेरी | (3) जोधपुरी | (4) किशनगढ़ी |
|--------------|---------------|-------------|--------------|

48. 'मुखड़ौ कुम्हलायौ भोजन बिन भारी।

पय पय करतौड़ी पौढ़ी पिय प्यारी।।'

-ऊमरदान लाळस री औ ओळियां लियोड़ी है :

- |                        |                          |
|------------------------|--------------------------|
| (1) असंतां री आरसी सूं | (2) छपने री छोरा रौळ सूं |
| (3) प्रताप प्रशंसा सूं | (4) करतार बाबनी सूं      |

49. किसौ नाम ख्यात - विधा रै लेखक रौ नीं है :

- |               |           |             |              |
|---------------|-----------|-------------|--------------|
| (1) नरसिंहदास | (2) नैणसी | (3) दयालदास | (4) बांकीदास |
|---------------|-----------|-------------|--------------|

50. देस री रूखाळी खातर सीमाडै माथै जूँझ'र सहीद हुये रणबांकुरे रणधीर नै मुखगिन देवतै जळजळी आंख्यां सूं जोवतै बाळक रणधीर केयौ - "म्हें देस रा त्रैरियां नै मार'र आपरौ बदळौ लेसूं।" बाळक रणवीर रौ औ संकळप सुण, लोगां में अणमाप उछाव उमड़ियौ, वां बाळक री पीठ थापी। मायड़ भोम री रूखाळी में सहीद बाप रौ बेटौ होवण रै गुमानं सूं रणवीर री छाती चवड़ी हुई अर अंतस, अजंस सूं भरग्यौ। रणवीर री संकळप भरी मुखछबी देखतां लोगां रौ हिवड़ौ गौरव-गुमेज सूं हळाबोळ हुग्यौ अर अमर सहीद रणधीर रै जै-जैकार सूं गगन गूँज उठयौ। अमर सहीद रणधीर री अरथी री धधकती झाळां तो ठंडी पड़गी पण इण सूरमे रै बलिदानं सूं खळकी सीख सीमाडै माथै जूँझतै सूरवीरां रै खातर अमर जोत बण'र जगमगाती रैयी।

उपरले गद्य अवतरण रौ अजरौ-ओपतौ सार वाक्य है :

- |  |
|--|
| (1) सहीदां रै जस री जोत जुगो-जुग सेना रै सूरवीरां ने देस रै सारू मर-मिटण री सीख देवै।    |
| (2) जुद्ध-भोम में मरिये बाप री लास नै मुखगिन देवतौ बेटौं रो पड़्यौ।                      |
| (3) रणधीर री मोत जुद्ध करतां हुई तो सेना रा बीजा सैनिक मोत रै डर सूं चिन्ता में पड़ग्या। |
| (4) जगमगाती अमर जोत।   |

- o o o -



**Space For Rough Work**

